



कर्नाटक सरकार

हिंदी सुमन

प्रथम भाषा हिंदी
HINDI FIRST LANGUAGE

Part - 2

3

तीसरी कक्षा
Third Standard

Karnataka Textbook Society (R.)

6th Cross, Malleshwaram,
Bengaluru - 560 003.

अनुक्रमणिका



क्र.सं.	पाठ का नाम	विधा	पृ.सं.
10.	दयावान सिद्धार्थ	गद्य	1
11.	साहसी उर्मिला	गद्य	8
12.	यह देश हमारा	कविता	14
13.	सरदार वल्लभभाई पटेल	गद्य	18
14.	खिलौने	गद्य	22
15.	धरती बल	कविता	28
16.	तेनालीराम	गद्य	31
17.	जल ही जीवन है	गद्य	37
18.	डायरी का एक पन्ना	गद्य	42



दयावान सिद्धार्थ



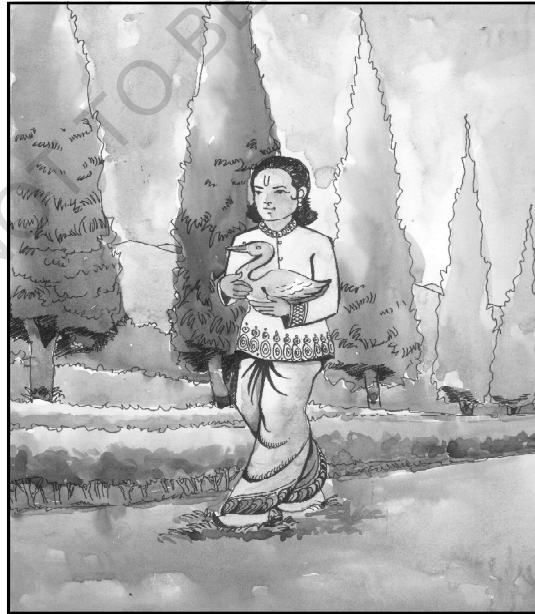
आशय : हिंसा के बदले अहिंसा को श्रेष्ठ सिद्ध करना। मानवीय गुणों की स्थापना करना।

(संध्या का समय, राजकुमार सिद्धार्थ राजमहल के सामने बगीचे में टहल रहा है। अचानक उसके सामने एक हंस पक्षी घायल होकर आ गिरता है। सिद्धार्थ उसे उठा लेता है।)

सिद्धार्थ - ओह ! इस पक्षी को किसी ने मारा है; खून बह रहा है। मैं इसकी रक्षा करूंगा।

(पक्षी को लेकर उसका घाव धोता है। उसे पानी पिलाता है। इतने में उसका चचेरा भाई देवदत्त वहाँ आता है। वह गुस्से में है। हाथ में तीर-कमान हैं।)

देवदत्त - (राजकुमार से) ओह ! मेरा शिकार तुम्हारे पास है। मैं कितनी देर से ढूँढ़ रहा हूँ।



सिद्धार्थ - देवदत्त ! क्या तुमने इसे मारा है?

देवदत्त - हाँ! मैं ने ही इसे तीर से मार गिराया है।

सिद्धार्थ - भाई, तुमने अच्छा नहीं किया। निरपराध जीव को मारना धर्म नहीं। सब जीवों पर दया करना मनुष्य धर्म है।

देवदत्त - देखो भाई, मैं दया-धर्म आदि नहीं सोचता। यह पक्षी मेरा शिकार है। इसे मुझे दे दो। (देवदत्त हंस को छीन लेने हाथ बढ़ाता है। हंस भय से कांपते हुए राजकुमार की गोद में दुबक जाता है।)



सिद्धार्थ - (हंस के शरीर पर प्यार से हाथ फेरते हुए) देखो देवदत्त ! तुम्हारा कहना ठीक है। तुमने इस हंस को मारा है। लेकिन मैं ने तो इसकी जान बचायी है। इसलिए यह हंस मेरा है।

देवदत्त - (क्रोध प्रकट करते हुए) नहीं, यह मेरा ही है। मैं इसे लेकर ही रहूँगा। (हंस को लेने आगे बढ़ता है। सिद्धार्थ पीछे हटता है।)

सिद्धार्थ - मैं इसे तुम्हें नहीं दूँगा।

देवदत्त - तब मैं महाराज से शिकायत करूंगा ।

सिद्धार्थ - ठीक है चलो, उन्हीं से पूछते हैं कि हंस पर किसका हक है । (इतने में महाराज और मंत्री बातें करते हुए वहाँ आते हैं। बच्चों को देखकर पूछते हैं।)

महाराज - क्या बात है बच्चो ? यहाँ क्या कर रहे हो ?

मंत्री - महाराज, लगता है कि दोनों में कोई झगड़ा चल रहा है।

महाराज - क्यों देवदत्त ? झगड़े का क्या कारण है ?

सिद्धार्थ - झगड़ा नहीं है, महाराज

महाराज - देवदत्त, तुम बोलो क्या बात है ?

देवदत्त - महाराज, राजकुमार मेरा शिकार नहीं दे रहे हैं। मैंने उसको तीर से मार गिराया है।

महाराज - सिद्धार्थ, क्या यह सच है ?

सिद्धार्थ - हाँ महाराज, यह हंस घायल होकर तड़प रहा था। मैंने उठाकर इसका घाव धोया और पानी पिलाया। अब हंस मेरा है। क्योंकि मैंने इसकी जान बचायी है।

महाराज - राजकुमार, क्या तुम मानते हो कि देवदत्त ने हंस का शिकार किया है?

सिद्धार्थ - जी हाँ, मानता हूँ।

महाराज - तब तो यह शिकार देवदत्त को मिलना चाहिए।

मंत्री - नहीं महाराज ! इस बात का निर्णय स्वयं हंस ही करेगा।

महाराज - वह कैसे ?

मंत्री - ऐसे ! (सिद्धार्थ के हाथ से हंस को अपने हाथ में लेकर) देखो, मैं इसे नीचे छोड़ता हूँ। तुम दोनों उसे बुलाओ। जिसके पास आएगा, हंस उसका होगा।

(दोनों कुमार मानते हैं।)

महाराज - देवदत्त, जाओ, तुम हंस को बुलाओ, अगर वह तुम्हारी तरफ़ आया तो हंस ज़रूर तुम्हारा होगा।

(यह सुनकर देवदत्त हाथ बढ़ाता है। लेकिन हंस डरकर पीछे हटते-हटते एकदम सिद्धार्थ की तरफ़ तेज़ी से चलने लगता है। उसी समय सिद्धार्थ हाथ बढ़ाता है। हंस को अपनी गोद में लेता है।)

मंत्री - झगड़ा सुलझ गया। हंस को देवदत्त ने मारा था। लेकिन सिद्धार्थ ने बचाया था। इसलिए हंस उसके पास गया।

महाराज - सच है। मारनेवाले से बचानेवाला बड़ा होता है।

(महाराज और मंत्री राजमहल की ओर चलते हैं। देवदत्त गुस्से में आकर बगीचे से बाहर निकलता है, सिद्धार्थ हंस की पीठ पर हाथ फेरते हुए बगीचे में टहलने लगता है।)

जानो :

तड़पना - अत्यंत दुःखी होना, बाण - तीर, शर; गुस्सा - क्रोध, झगड़ा - लड़ाई, धर्म - कर्तव्य, बगीचा - छोटा बाग।

अभ्यास

I. एक से ज्यादा - पढ़ो और लिखो :

बच्चा - बच्चे

झगड़ा - झगड़े

बात - बातें

तोता - तोते

कुत्ता - कुत्ते

II. खाली जगह में क्या आएगा ?

(हंस, दया करना, मारना, बचानेवाला)

- १) सब जीवों पर _____ मनुष्य धर्म है।
- २) मारनेवाले से _____ बड़ा होता है।
- ३) निरपराध जीव को _____ धर्म नहीं।
- ४) अब _____ मेरा है।

III. सोचो और लिखो :

- १) सिद्धार्थ कौन था ?

- २) देवदत्त कौन था ?

- ३) सिद्धार्थ ने किस को पानी पिलाया ?

- ४) गुस्से में कौन था ?

५) किसने हंस की जान बचायी ?

६) शिकायत किसने की ?

७) हंस को किसने मारा था ?

८) हंस किसके पास गया ? क्यों ?

IV. पढ़ो और लिखो:

जैसे : गिरना - गिराना जैसे : थकना - थकावट

1) उठना - _____ बनना - _____

2) बढ़ना - _____ रुकना - _____

3) हटना - _____ लिखना - _____

4) बचना - _____

5) करना - _____

V. वाक्यों का क्रम पहचानकर उनकी क्रम संख्या लिखो:

१) संध्या का समय है।

१

२) हंस पक्षी सिद्धार्थ की गोद में जाता है।

३) देवदत्त कहता है कि पक्षी पर उसका हक है।

४) हंस पक्षी घायल होकर आ गिरता है।

२

५) इसका निर्णय स्वयं हंस पक्षी ही करता है।

६) सिद्धार्थ उसके घाव धोकर पानी पिलाता है।

७) देवदत्त हंस पक्षी का शिकारी है।

८) मारनेवाले से बचानेवाला बड़ा होता है।

VI. समझो और लिखो:

जैसे : पक्षी - चिड़िया

१) खून - _____

२) पानी - _____

३) गुस्सा - _____

४) तीर - _____

५) कमान - _____

६) प्राणी - _____

७) तरफ - _____

VII. वाक्य में प्रयोग करो:

१) राजमहल

२) चचेरा भाई

३) निरपराध

४) शिकायत

५) बगीचा

पाठ से आगे-

* राजकुमार सिद्धार्थ ने हंस पक्षी की रक्षा की। समझो इसी प्रकार तुम्हारे घर के पास कोई कुत्ता घायल हो गया है। तुम उसकी सहायता कैसे करोगे? तीन वाक्य बताओ।





साहसी उर्मिला



आशय : उर्मिला के साहसी गुण का परिचय कराना। बच्चों में उर्मिला जैसे बनने की ललक पैदा करना।

बागलकोट जिले के आलमट्टी गाँव में स्काउट-गार्ड का शिबिर लगा हुआ था। शिबिर में राज्य के कई भागों से आए छात्र - छात्राओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा था।

शाम को सारे स्काउट व गार्ड सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए इकट्ठे हुए। तभी अध्यापिका एक बालिका को अपने साथ लेकर आईं। सबकी आँखें उस पर टिकी थीं।

अध्यापिका ने सब छात्रों को देखकर कहा - 'बच्चो, यह है उर्मिला।

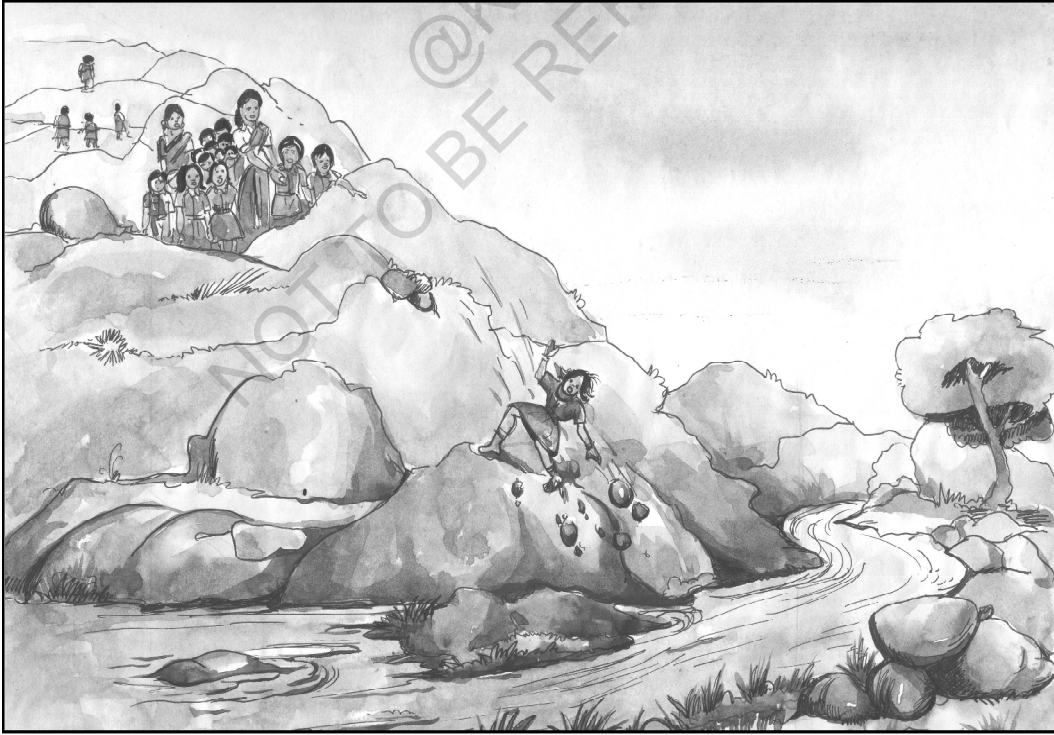


बड़ी साहसी, बहादुर और होशियार। इसने अपने साहस से अपनी सहेली की जान बचाई।

एक गाईड ने उठकर पूछा - टीचर जी, उन्होंने यह साहस कैसे किया, हमें भी बताइए !

अध्यापिका ने कहा कि सब इस घटना के बारे में उर्मिला से ही सुनें।

उर्मिला खड़ी होकर कहने लगी - 'मुझे आज भी याद है। हम सब शिबिरार्थी उस दिन छोटी-सी पहाड़ी पर बड़ी सावधानी से चढ़ रहे थे। अचानक मेरी सहेली सविता फिसलकर गिर पड़ी। पहाड़ी की तलहटी में एक नहर बह रही थी। सविता नहर में जा गिरी। उसे तैरना नहीं आता था, ऊपर से पानी का बहाव तेज़ था। वह डूब रही थी और सहायता के लिए हाथ बढ़ा रही थी। सब घबराकर देखने लगे। उसी क्षण मैं भी फिसलते हुए नहर में कूदी।



तेज़ रफ़्तार से बहते हुए पानी में तैरना और सविता को पकड़ना कठिन लग रहा था। एक पल के लिए तो लगा कि मैं खुद डूब रही हूँ। पर मैंने साहस बटोरा और सविता की ओर अपना हाथ बढ़ाया। सविता को खींचकर मैं तट पर ले आई। उसने बहुत पानी पी लिया था और बेहोश हो गई थी। मैं भी थककर चूर हो गई थी। तब तक हमारे अध्यापक और मित्र भी वहाँ आ पहुँचे।

सबसे पहले अध्यापिका ने सविता को पेट के बल पर लिटाकर उसके पेट में भरे पानी को निकाला। थोड़ी ही देर में उसे होश आया। सबने हम दोनों को शिबिर तक पहुँचाया।’

उर्मिला ने जैसे ही यह सारी घटना कह सुनाई, चारों ओर से तालियों की आवाज़ गूँज उठी।

फिर अध्यापिका ने कहा - उर्मिला के इस साहस के लिए उसे राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया। २६ जनवरी के दिन दिल्ली में होनेवाले गणतंत्र दिवस समारोह में उसे राष्ट्रपति के हाथों यह पुरस्कार मिला। हमारे लिए उसका यहाँ आना गर्व की बात है। सारा शिबिर अब तालियों की ध्वनि में डूब गया था।

समझो :

शिविरार्थी - शिबिर में रहनेवाले, क्षण - पल, रफ़्तार- गति, बटोरना- इकट्ठा करना, तलहटी - नीचे।

अभ्यास

I. पाठ से ढूँढ़ो और लिखो :

१. स्काउट और गाईड का शिबिर कहाँ लगा हुआ था ?

૨. અધ્યાપિકા અપને સાથ કિસે લેકર આઈ ?

३. उर्मिला की सहेली कहाँ गिरी ?

४. उर्मिला कैसी बालिका थी ?

५. उर्मिला ने उसे कैसे बचाया ?

६. उर्मिला को कौन-सा पुरस्कार मिला ?

II. इन शब्दों की लड़ी बनाओ :

बा	लि	का					
	का	ग	ज				
		ज					

III. २६ जनवरी को गणतंत्र दिवस मनाया जाता है। हमारे देश में मनाए जानेवाले अन्य राष्ट्रीय त्योहारों के नाम उन्हें मनानेवाले दिनों के साथ जोड़ो :

- | | |
|--------------------|-----------|
| १. बालदिवस | ५ सितंबर |
| २. स्वतंत्रता दिवस | १४ नवंबर |
| ३. शिक्षक दिवस | २ अक्टूबर |
| ४. गांधी जयंती | १५ अगस्त |

IV. सही शब्द चुनकर लिखो :

१. सविता को _____ देर में होश आया। (थोड़ा/थोड़ी)
२. तेज़ रफ़्तार में बहते हुए पानी में तैरना कठिन लग _____ था। (रहा/रही)
३. उर्मिला ने _____ घटना कह सुनाई। (सारी/सारा)

V. उर्मिला के साहस को देखकर लोग उसे साहसी कहते थे। नीचे दिए गए गुणोंवाले व्यक्तियों को क्या कहते हैं ?

१. मेहनत - _____
२. उत्साह - _____
३. अभिमान - _____
४. घमंड - _____

VI. विलोम शब्द लिखो :

जैसे : चतुर x मूर्ख

१. मित्र x _____

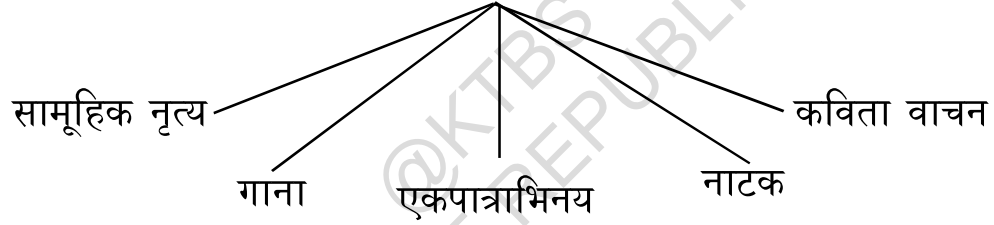
२. प्रसन्न x _____

३. _____ x दूर

४. _____ x दुर्जन

पाठ से आगे-

तुम्हारे स्कूल में कोई सांस्कृतिक कार्यक्रम चलता होगा:



इनमें से तुम किसमें भाग लेना चाहते हो? बताओ।

इसी प्रकार तुम्हारी अन्य प्रतिभाओं की सूची बनाओ।





यह देश हमारा

- डॉ. परवीन बानू फारुकी



आशय : बच्चों में देशभक्ति की भावना भरना। देशवासियों में सत्य के मार्ग पर चलने की आस जगाना।

यह देश हमारा शूरों का,
यह देश हमारा वीरों का।

यहीं हुआ है, जन्म बापू का,
यहीं हुआ है, जन्म भगत का।
सुंदर सपना था इन सबका,
उज्ज्वल हो भविष्य भारत का ॥



क्या-क्या सिखा गए वे ज्ञानी,
भूल गए हम उनकी बानी।
सत्य मार्ग से भटक गए हम,
राग आग में बदल दिए हम ॥

अब तो भूलो भेद-भाव को,
अब तो छोड़ो द्वेष-क्लेश को।
घायल न करो अपने देश को,
समझाओ इस ज़िद्दी मन को ॥

कविता-सार

कवयित्री का कहना है कि हमारा देश वीरों का और शूरों का है। यहीं बापूजी और भगतसिंह जी का जन्म हुआ था। उन्होंने भारत के उज्ज्वल भविष्य का सपना देखा था।

उन्होंने सत्य और प्रेम का पाठ सिखाया था परंतु आज हम इनको भूल बैठे हैं। अपने मन को हम समझायें और आपसी भाई-चारे से अपने देश को सुरक्षित बनायें।

जानो :

बापू - महात्मा गांधीजी, भगत - भगत सिंह, इन्होंने देश के लिए अपनी जान दी; बानी - वाणी, बातें; भटक गए - (ठीक) रास्ते से दूर गये, राग - प्रेम, आग - (यहाँ) द्वेष।

अभ्यास

I. कविता पढ़ो और लिखो :

१) हमारा देश कैसे लोगों का है ?

२) हमारे देश में जन्मे दो व्यक्तियों के नाम कविता में दिये गये हैं। उनके नाम लिखो।

३) उनका क्या सपना था ?

४) हम आज किस रास्ते से भटक गये हैं ?

५) हमें क्या भूलना है ? और क्या छोड़ना है ?

६) हमने किसको आग में बदला है ?

II. सही शब्द चुनकर वाक्य पूर्ण करो:

(बहु, समृद्ध, नदियाँ, कन्नड, भारत, कर्नाटक)

१) मैं _____ वासी हूँ।

- २) _____ मेरा राज्य है।
- ३) मेरी प्रांतीय भाषा _____ है।
- ४) मेरा राज्य _____ भाषी राज्य है।
- ५) यहाँ अनेक _____ बहती हैं।
- ६) हमारा देश _____ है।

III. इन पंक्तियों का आशय स्पष्ट करो:

अब तो भूलो भेद-भाव को,
अब तो छोड़ो द्वेष-क्लेश को।
घायल न करो अपने देश को,
समझाओ इस ज़िद्दी मन को॥

IV. इन शब्दों के समानार्थक शब्द कविता में से ढूँढ़कर लिखो:

- १) खूबसूरत - _____
- २) प्रकाशमान - _____
- ३) बात - _____
- ४) सच्चा मार्ग - _____
- ५) प्रेम - _____
- ६) हठी - _____

V. इस कविता को कंठस्थ करो।

VI. भारत देश में अनेक भाषाएँ बोली जाती हैं। 'हिंदी' हमारी राष्ट्रभाषा है। अब बताओ -

- १) कर्नाटक की प्रांतीय भाषा है _____
- २) महाराष्ट्र की प्रांतीय भाषा है _____
- ३) गुजरात की प्रांतीय भाषा है _____
- ४) उत्तरप्रदेश की प्रांतीय भाषा है _____

कविता से आगे-

- * कभी तुमने कोई सपना देखा है? अपने दोस्तों को वह सपना सुनाओ।
- * घर में तुमने किसी बात के लिए ज़िद्द की है? कक्षा में बताओ कि वह ज़िद्द किसलिए थी? उसके बदले में तुम्हें क्या मिला?



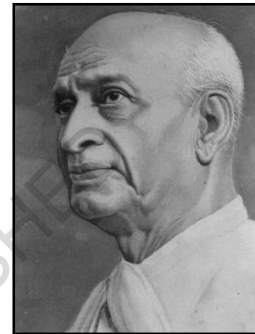


सरदार वल्लभभाई पटेल



आशय : भारत के महान विभूतियों की जानकारी देना। बच्चों में संगठन चातुर्य का विकास करना।

सरदार वल्लभभाई पटेल भारत के “लौह पुरुष” के नाम से जाने जाते हैं। उनका जन्म ३१ अक्टूबर १८७५ को नंदियाड़ (गुजरात) में हुआ था। मैट्रिक की परीक्षा में उत्तीर्ण होने के बाद उन्होंने वकालत की परीक्षा पास कर ली। इसके बाद गोधरा में वकालत का कार्य करने लगे।



कठिनाइयाँ उन्हें झुका नहीं सकती थीं, भय उन्हें डरा नहीं सकता था। जब वे बालक थे तब भी उनमें यही निर्भीकता थी। उनके बचपन की एक घटना है - उनकी काँख में एक फ़ोड़ा हुआ था। एक गँवार वैद्य ने दवा बताई-‘लोहा गर्म करके फ़ोड़े में भोंक दो।’ बालक वल्लभभाई झट तैयार। लोहा गर्म हुआ। भोंकनेवाले ने उसे अपने हाथ में लिया, पर उसका दिल इस कोमल बालक को देखकर काँप गया। वह हिचकिचाने लगा। बालक झुंझला उठा, “क्या देख रहा है भाई? लोहा ठंडा हो रहा है। ले तुझसे नहीं बनता, तो मैं भोंक लूँ।” भोंकनेवाला दंग रह गया।

सरदार वल्लभभाई पटेल स्वतंत्रता आंदोलन में कई बार जेल गए। सन् १९३१ में कराची काँग्रेस अधिवेशन की उन्होंने अध्यक्षता की। स्वतंत्रता आंदोलन में उन्होंने बढ़-चढ़ कर भाग लिया। वल्लभभाई एक कुशल संगठनकर्ता भी थे। आज़ादी के बाद ५५६ छोटी - छोटी रियासतों को उन्होंने भारत देश में शामिल करवाया। सन् १९४७ से सन् १९५० तक वे भारत के उप प्रधानमंत्री और गृहमंत्री भी रहे। सरदार वल्लभभाई ज़्यादा बोलते नहीं थे। वे बोलते कम थे, करते अधिक थे। वे गरजने वाले मेघ नहीं, बरसनेवाले मेघ थे। उनकी मुखमुद्रा से उनकी आंतरिक शक्ति का पता चलता था।

सरदार वल्लभभाई एक योद्धा, एक सफल सेनानी और एक सिपहसालार थे। १५ दिसंबर १९५० को उनका देहांत हो गया। मरणोपरांत उन्हें भारत-रत्न की उपाधि से सम्मानित किया गया।

जानो :

लौह पुरुष - लोहे जैसा पुरुष अर्थात् दृढ़ इच्छा शक्तिवाला व्यक्ति,
निर्भीकता - निडरता, भयहीन; काँख - बाहुमूल के नीचे का गड़ढ़ा,
बगल ; फ़ोड़ा - शरीर का मवादयुक्त घाव, भोंकना - धंसाना, हिचकिचाना
- कोई काम करने से पहले आशंका के कारण कुछ रुकना,
झुंझलाना - क्रुद्ध एवं व्यथित होकर बोलना, दंग - आश्चर्य में पड़ा हुआ,
हक्का - बक्का; बरसना - डाँटना-डपटना, गरजना - गंभीर एवं तीव्र
ध्वनि करना, चिल्लाना; सिपहसालार - सेनापति, मरणोपरांत - मरने के
बाद।

अभ्यास

I. पढ़ो और बोलो :

वल्लभभाई	काँख	काँपना
लौह पुरुष	झोंकना	तड़पना
मुखमुद्रा	भोंकनेवाला	जोखिम
रियासत	कुशल	प्रतिनिधि
व्याकुल	निमंत्रण	

II. नमूने के अनुसार शब्द बनाओ :

सुधार - सुधारक

१. प्रचार -

२. विचार -

३. उद्धार -

४. परीक्षा -

III. नमूने के अनुसार कोष्ठक में से शब्द चुनकर वाक्य पूरा करो :

नमूना : मोहन कुर्सी पर _____ है। (बैठा)

मोहन कुर्सी पर बैठा है।

(बैठा, बैठे, खड़े, लेटे, खड़ी)

- १) अमित जी बिस्तर पर _____ हैं।
- २) बंदर छत पर _____ है।
- ३) माताजी कॉर के पास _____ हैं।
- ४) तुम यहाँ क्यों _____ हो ?
- ५) कुछ बच्चे भी वहाँ _____ हैं।

IV. प्रश्नों के उत्तर लिखो :

- १) सरदार वल्लभभाई पटेल किस नाम से जाने जाते हैं ?

- २) गँवार वैद्य ने फ़ोड़े के इलाज के लिए क्या दवा बताई ?

- ३) सरदार वल्लभभाई पटेल ने वकालत का कार्य कहाँ से शुरू किया ?

- ४) आज़ादी के बाद वल्लभभाई पटेल ने किस पद पर कार्य किया ?

- ५) कितनी रियासतों को उन्होंने भारत में शामिल करवाया ?

- ६) उन्हें किस उपाधि से सम्मानित किया गया ?

- ७) सरदार वल्लभभाई जी का जन्म कब और कहाँ हुआ ?

V. रिक्त स्थान भरो :

- १) सन् १९३१ में कराची काँग्रेस अधिवेशन की उन्होंने _____ की।
- २) वे बोलते कम थे, करते _____ थे।
- ३) सरदार वल्लभभाई एक योद्धा, एक सफल सेनानी और एक _____ थे।
- ४) लोहा गर्म करके फोड़े में _____ दो।
- ५) _____ को उनका देहांत हो गया।

VI. नीचे लिखे शब्दों का वाक्यों में प्रयोग करो :

- १) परीक्षा _____।
- २) बचपन _____।
- ३) स्वतंत्रता _____।
- ४) वैद्य _____।
- ५) लोहा _____।
- ६) मेघ _____।

VII. रेखा खींचकर मिलाओ :

- | | |
|------------------------|-----------|
| १) सरदार वल्लभभाई पटेल | बरसना |
| २) गोधरा | वैद्य |
| ३) काँख | वकालत |
| ४) गँवार | लौह पुरुष |
| ५) लोहा | फोड़ा |
| ६) गरजना | गर्म |

पाठ से आगे-

✱ अपने देश के लिए तुम क्या करना चाहोगे-चार वाक्य लिखो।





खिलौने



आशय : स्थानीय कला का परिचय कनाना ।

अनिल अपने पिताजी के साथ बेंगलूरु से मैसूरु बस से जा रहा था। उसने खिड़की के पासवाली सीट पर बैठने की ज़िद की, उसे बाहर के सारे दृश्य जो देखने थे ! पिताजी ने खिड़की के बाहर हाथ-सिर न डालने की हिदायत देकर उसे खिड़की के पास बैठने दिया।



बस आगे बढ़ी। अनिल को बिजली के खम्बे, पेड़-पौधे दौड़ते दिख रहे थे। बाहर के दृश्य देखते-देखते कब उसकी आँख लग गई, उसे पता ही न चला।

अचानक जब कंडक्टर ने ज़ोर से कहा- 'चन्नपट्टणा में उतरनेवाले उतरिए, बस यहाँ दस मिनट के लिए रुकनेवाली है' तो अनिल की नींद खुल गई। वह आँखें मलते हुए उठा। पिताजी चाय पीने के लिए उतर रहे थे, वह भी उनके साथ उतरा।

वहाँ काठ के खिलौनों की कई दुकानें थीं जिनमें कई सुंदर खिलौने थे। अनिल खिलौने खरीदने के लिए मचल उठा। उसने पिताजी से खिलौनों की माँग की। पिताजी ने उसे बंदर और बैलगाड़ी दिलाई। बस के चालक ने ज़ोर



से भोंपू (हार्न) बजायी तो ये दोनों बस की ओर लपके। इनके चढ़ते ही बस निकल पड़ी।

अब अनिल का सारा ध्यान अपने खिलौनों पर था। उसके मन में कई सवाल उठ रहे थे। उसने पूछा- पिताजी ये सुंदर खिलौने कौन बनाता है ?

पिताजी बोले - बेटा, ये खिलौने इस चन्नपट्टणा शहर में ही बनते हैं। यहाँ लगभग छः हजार लोग खिलौने बनाने का ही काम करते हैं। करीब ढाई सौ साल पहले टीपू सुल्तान ने पर्शिया देश से कारीगरों को बुलाया और स्थानीय लोगों को यह हुनर सिखाने की व्यवस्था की थी।

अनिल - पर बनाते कैसे हैं ? यह तो बताइए !

पिताजी मुस्कराते हुए बोले - अरे बाबा ! सब बताता हूँ। ये खिलौने चंदन, शीशम, सागवान आदि लकड़ियों से बनाए जाते हैं। खिलौने बनाने का काम करीब छः चरणों में किया जाता है - लकड़ी मुहैया कराना, उसे सुखाकर पुख्ता बनाना, वांछित आकारों में काटना, खिलौने गढ़ना, रंगना और चमकाना। इन खिलौनों की एक और विशेषता यह है कि इनके रंग प्राकृतिक हैं जिससे बच्चों को हानि नहीं होती।

अनिल - यह तो बड़ी मेहनत का काम है। पर पिताजी, क्या ये खिलौने खरीदने के लिए हमें हर बार चन्नपट्टणा आना पड़ेगा ?

पिताजी - नहीं बेटा, ये खिलौने तो आजकल हर जगह मिलते हैं। यहाँ तक कि विदेशों में भी इनकी बड़ी माँग है।

अनिल और पिताजी ये सब बातें कर रहे थे कि बस मैसूरु के बस अड्डे पर पहुँच गयी। वे दोनों उतरे। अनिल अपने दोस्तों को खिलौने दिखाने के लिए और चन्नपट्टणा के बारे में बताने के लिए उतावला हो रहा था।

जानो :

ज़िद - हठ, हिदायत - निर्देश, आँख लगाना - नींद आना, मुहैया कराना - उपलब्ध कराना, पुख्ता बनाना - कड़ा अथवा सख्त बनाना, हुनर - कौशल, वांछित - इच्छा के अनुसार।

अभ्यास

I. पाठ से ढूँढो :

१) अनिल अपने पिता के साथ कहाँ जा रहा था ?

२) वह खिड़की के पासवाली सीट पर क्यों बैठना चाहता था ?

३) बस चाय के लिए कहाँ रुकी ?

४) अनिल ने पिताजी से किसकी माँग की ?

५) पिताजी ने उसे कौन-कौन-से खिलौने दिलाए ?

II. अनिल अपने मित्रों के साथ खिलौने बना रहा था। पर वह चरणों का क्रम भूल गया। ठीक क्रम के अनुक्रमांक कोष्ठक में लिखकर उसकी सहायता करो :

१. लकड़ी सुखाकर पुख्ता बनाना []

२. रंगना []

३. लकड़ी मुहैया कराना []

४. चमकाना []

५. खिलौने गढ़ना []

६. वांछित आकारों में काटना []

III. उदाहरण समझो और लिखो :

एक (एकवचन)

अनेक (बहुवचन)

१. खिलौना

खिलौने

२. खिड़की

३. लकड़ी

४. बच्चा

५. बात

६. दुकान

IV. रेखांकित शब्दों के विलोमार्थक का प्रयोग करते हुए वाक्य लिखो:

जैसे - अनिल बस से जा रहा था।

अनिल बस से आ रहा था।

१. उसे बाहर के सारे दृश्य देखने थे।

२. वह आँखें मलते हुए उठा।

३. कंडक्टर ने जोर से कहा।

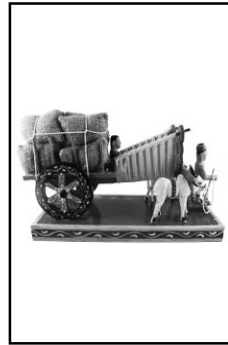
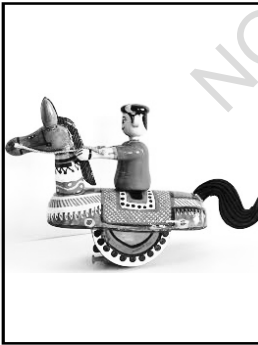
४. चन्नपट्टणा में उतरनेवाले उतरिए।

५. अनिल खिलौने खरीदना चाहा।

V. शुद्ध उच्चारण के साथ पढ़ो और लिखो:

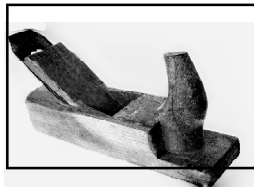
१. बेंगलूर _____
२. मैसूर _____
३. दृश्य _____
४. कंडक्टर _____
५. चन्नपट्टणा _____
६. माँग _____
७. भोंपू _____
८. पर्शिया _____
९. वांछित _____
१०. प्राकृतिक _____

VI. इन खिलौनों के नाम लिखो :

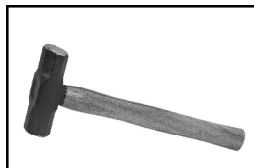


VII. खिलौने बनाने में ये उपकरण सहायरी हैं। चित्रों के साथ उनके नाम जोड़ो:

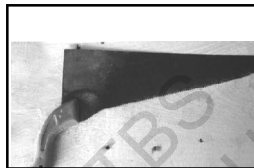
आरी



छेनी



रंदा



हथौड़ा



पाठ से आगे -

* तुम जहाँ रहते हो वहाँ की स्थानीय कला की चर्चा अपने दोस्तों से करो।





आशय : आइज़क न्यूटन के आविष्कार का परिचय कराना।

एक युवक था गुणी महान

आइज़क न्यूटन उसका नाम।

बैठा था वह बाग के बीच

सोच रहा था कुछ माथा भींच।

आगे गिरा सेब तत्काल

पका हुआ, सुंदर सा लाल।

उठकर उसने सेब उठाया

मनन किया, फिर ध्यान लगाया।

आखिर सेब गिरा क्यों नीचे ?

चीज़ों को धरती क्यों खींचे ?

उसने खोजा, पता लगाया।

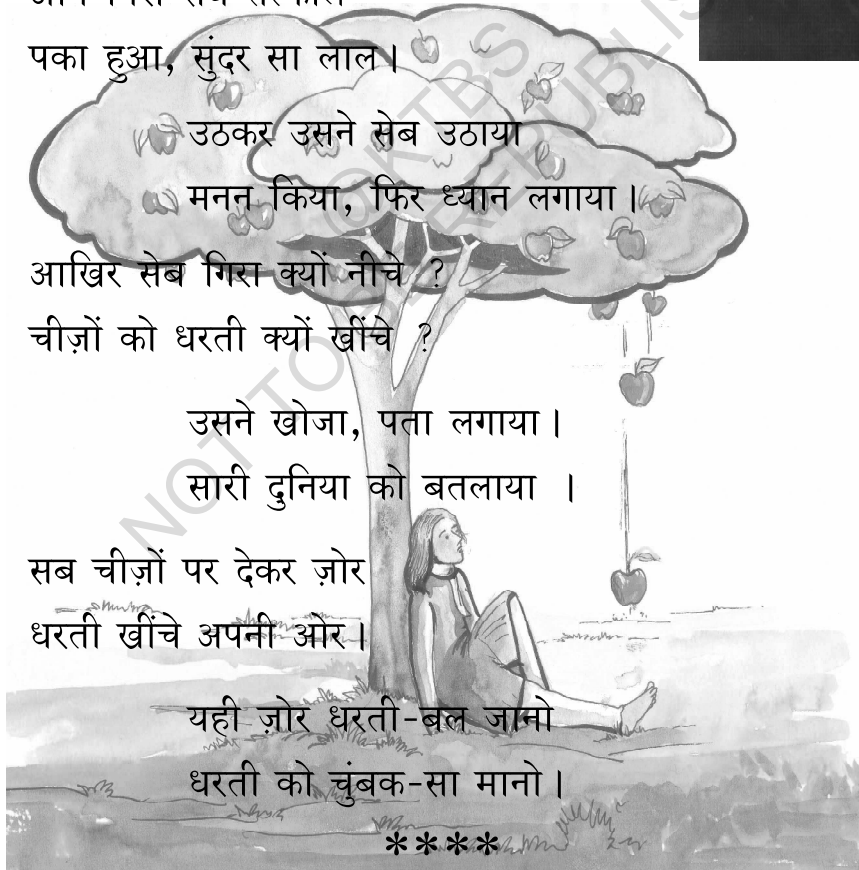
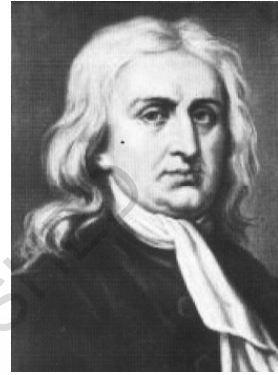
सारी दुनिया को बतलाया।

सब चीज़ों पर देकर ज़ोर

धरती खींचे अपनी ओर।

यही ज़ोर धरती-बल ज़ामो

धरती को चुंबक-सा मानो।



कविता-सार

इस कविता में उस घटना का वर्णन हुआ है जिससे महान वैज्ञानिक आइज़क न्यूटन ने धरती-बल के बारे में अधिक आविष्कार किया और भौतिक विज्ञान को एक नई दिशा दी। आइज़क न्यूटन सेब को धरती पर गिरते देखकर सोचने लगे कि हर वस्तु को धरती अपनी ओर क्यों खींचती है। एक सामान्य घटना भी न्यूटन को एक नई बात सोचने के लिए प्रेरित करती है।

समझो :

तत्काल - उसी समय, धरती - भूमि, चुंबक - लोहे की चीज़ों को अपनी ओर खींचनेवाली धातु, मनन करना - विचार करना, सोचना।

अभ्यास

I. कविता से ढूँढो और लिखो :

१. गुणी युवक का नाम क्या था ?
२. उसके सामने गिरा सेब कैसा था ?
३. सेब को किसने नीचे खींचा था ?
४. धरती-बल क्या है ?

II. देखो तो इनमें कौन-सा शब्द गायब है :

१. एक युवक था _____ महान ।
२. उठकर उसने _____ उठाया ।
३. मनन किया फिर _____ लगाया ।
४. धरती को _____ सा मानो ।

भाषा खेल :

III. तुकवाले शब्दों को जोड़कर लिखो:

(लाल, खींचे, भींच, मानो, ओर)

- | | | | |
|---------|---|-----------|---|
| १. बीच | → | २. तत्काल | → |
| ३. नीचे | → | ४. ज़ोर | → |
| ५. जानो | → | | |

IV. क्या तुम जानते हो ?

वैज्ञानिक

१. आइज़क न्यूटन
२. थामस आल्वा एडिसन
३. मैडम क्यूरी
४. सर. जगदीशचंद्र बोस

आविष्कार

- धरती-बल
- बल्ब
- रेडियम
- पेड-पौधों में जान है

V. अन्य वचन शब्द लिखो:

- | | |
|---------|---------|
| १. युवक | २. महान |
| ३. बाग | ४. सेवा |

VI. इन पंक्तियों को पूर्ण करो:

सब _____ ज़ोर
_____ खींचे _____।
यही _____ धरती _____
_____ मानो।

कविता से आगे -

* भारतीय वैज्ञानिकों के चित्र इकट्ठा करो और एक अल्बम बनाओ।





तेनालीराम



आशय : तेनालीराम की तरह चतुर बनने की प्रेरणा देना।



तेनालीराम राजा कृष्णदेवराय का दरबारी था। वह बहुत चतुर और बुद्धिमान था। इसी कारण राजा कृष्णदेवराय उसका बहुत सम्मान व विश्वास किया करते थे। तेनालीराम की चतुराई का दूर-दूर तक लोहा माना जाता था। राजा कृष्णदेवराय के समक्ष जब भी कोई कठिन समस्या खड़ी होती, वे तेनालीराम को बुला भेजते। तेनालीराम भी उस समस्या का कोई न कोई हल अवश्य निकाल लेते।

एक बार की बात है। राजा कृष्णदेवराय ने राज्य के कुछ भद्र पुरुषों को अपने महल में भोजन पर आमंत्रित किया। आए हुए अतिथियों को सोने के बर्तनों में भोजन कराया। भोजन करते हुए एक अतिथि ने सोने का चम्मच उठाया और चुपके से अपनी जेब में रख लिया।

राजा कृष्णदेवराय तथा तेनालीराम ने अतिथि को चम्मच जेब में रखते हुए देख लिया। राजा कृष्णदेवराय ने तेनालीराम को इशारा किया। तेनालीराम तुरंत समझ गए कि अतिथि का अपमान किए बिना ही चम्मच निकलवाना है।



जब सब लोग भोजन कर चुके तो तेनालीराम अपने स्थान पर खड़े होकर बोले, “सज्जनो ! अब आप सबके मनोरंजन के लिए मैं एक जादू का खेल दिखाऊँगा। देखिए मैं यह सोने का चम्मच अपनी जेब में रखूँगा और आप लोगों में से किसी एक की जेब से निकालूँगा।”

अतिथियों ने तालियाँ बजाईं। तेनालीराम ने चम्मच अपनी जेब में रखा। फिर उन्होंने आँखें बंद की और मन-ही-मन कुछ बुड़बुड़ाने लगे, जैसे कोई मंत्र



पढ़ रहे हों। थोड़ी देर बाद उन्होंने अपनी आँखें खोलीं और कहा “अब चम्मच मेरी जेब में से किसीकी जेब में चला गया है। देखते हैं कि किसकी जेब में है।” इतना कहकर तेनालीराम बारी-बारी से प्रत्येक अतिथि के पास जाते और मन-ही-मन कुछ बुड़बुड़ाते। अंत में उस अतिथि के समक्ष जा खड़े हुए जिसने चम्मच चुराया था। वे कुछ बुड़बुड़ाए और बोले, “मित्र, मेरा जादू बता रहा है कि चम्मच आपकी जेब में है। कृपया अपनी जेब देखिए।” अतिथि के पास बचने का कोई उपाय तो था नहीं। न चाहते हुए भी उसे अपनी जेब में हाथ डालना पड़ा। उसने जेब से चम्मच निकाला और तेनालीराम को दे दिया। सभी अतिथियों ने तेनालीराम के जादूई चमत्कार को देखकर तालियाँ बजाईं। राजा कृष्णदेवराय तेनालीराम की चतुराई पर बहुत प्रसन्न हुए। उन्होंने तेनालीराम को खूब सारा इनाम दिया।

जानो :

दरबारी - राजा के दरबार (आज के मंत्री मंडल जैसा) में रहनेवाला, चतुराई - बुद्धिमत्ता, भद्र पुरुष - श्रेष्ठ लोग, सम्मानित लोग; खूब सारा - बहुत सारा, बुड़बुड़ाना - धीरे से अस्पष्ट रूप से कुछ बोलना।

अभ्यास

I. बताओ और लिखो :

१) तेनालीराम किसके दरबारी थे ?

२) राजा कृष्णदेवराय किस पर विश्वास करते थे ?

३) कृष्णदेवराय ने अतिथियों को क्यों आमंत्रित किया था ?

४) राजा कृष्णदेवराय ने तेनालीराम को किस चीज़ के लिए इशारा किया ?

५) तेनालीराम ने अतिथियों को कौन-सा खेल दिखाने की घोषणा की ?

६) तेनालीराम ने वह खेल क्यों खेला ?

७) तेनालीराम की चतुराई पर राजा कृष्णदेवराय ने उन्हें क्या दिया ?

II. सही को (✓) और गलत को (X) निशान लगाओ :

१) तेनालीराम बहुत मूर्ख थे। (X)

२) राजा कृष्णदेवराय ने अतिथियों को चाँदी के बर्तन में भोजन कराया। ()

३) तेनालीराम राजा थे। ()

४) तेनालीराम हर समस्या का हल निकाल लेते थे। ()

५) एक अतिथि ने चम्मच अपनी जेब में रख लिया। ()

६) अतिथियों ने जादू का खेल देखकर तालियाँ नहीं बजाईं। ()

७) तेनालीराम को खूब सारा इनाम दिया गया। ()

८) चम्मच अतिथि की जेब में नहीं था। ()

III. रिक्त स्थानों की पूर्ति करो :-

- १) अतिथियों को _____ के बर्तनों में भोजन कराया गया।
(सोने/चाँदी)
- २) अतिथियों ने जादू के लिए _____ बजाई। (ताली/सीटी)
- ३) तेनालीराम ने _____ पढ़ने का बहाना किया। (किताब/मंत्र)
- ४) तेनालीराम बारी-बारी से _____ के पास जाते। (अतिथि/चोर अतिथि)
- ५) अतिथि ने अपनी जेब से _____ निकाला और तेनालीराम को दे दिया। (चाबी/चम्मच)
- ६) अतिथि ने _____ जेब में रख लिया। (चम्मच/कलछी)
- ७) सभी अतिथि तेनालीराम के जादूई _____ को देखकर तालियाँ बजाने लगे। (चमत्कार/खेल)

IV. जोड़कर लिखो :

तेनालीराम	कृष्णदेवराय
राजा	चतुर दरबारी
चोरी	सोने के बर्तन
भोजन	जेब
इनाम	जादू का खेल
चम्मच	तालियाँ
अतिथि	चतुराई

V. बहुवचन शब्द लिखो:

१. ताली - _____

२. मित्र - _____

३. सज्जन - _____

४. समस्या - _____

५. राजा - _____

VI. तेनालीराम ने मनोरंजन के लिए जादू दिखायी। तुम मनोरंजन के लिए क्या करोगे? कोई पाँच विषय बताओ।

पाठ से आगे-

* अकबर - बीरबल की कहानियाँ पढ़ो और कक्षा में सुनाओ।





जल ही जीवन है



आशय : जल मूल को बचाने की प्रेरणा देना। जल आधुनिक युग में अमृत से भी बढ़कर है - इस ओर संकेत करना।

उस दिन अंकित कक्षा में आया तो बहुत उदास लग रहा था। जब अध्यापिका कक्षा में आई तो सब बच्चों ने उठकर उनका अभिवादन किया। अंकित भी अनमने भाव से खड़ा हुआ। अध्यापिका ने सब बच्चों को बैठने के लिए कहा और अंकित से पूछा - “अंकित तुम क्यों उदास हो ?”

अंकित खड़े होकर बोला - “आज मुझे माँ से खूब डाँट खानी पड़ी, टीचर !

अध्यापिका - “वह क्यों” ?

अंकित बोला - “आज दाँत माँजते समय मैंने नल खोलके रखा था और बाद में उसे बंद करना भूल गया, इसलिए। माँ कहती है कि हमें जल बचाना चाहिए और उसका अपव्यय नहीं करना चाहिए।”

अध्यापिका - “तुम्हारी माँ ठीक कहती हैं बेटा ! आज हर जगह पानी की बड़ी समस्या हो रही है।

अंकित - “पर टीचर आपने तो कहा था कि इस धरती पर ७१ प्रतिशत पानी है। फिर पानी की कमी क्यों होने लगी भला !”



अध्यापिका - “इस धरती पर पानी तो बहुत है। पर उसमें केवल एक प्रतिशत पानी ही हमारे उपयोग के लायक है। बाकी सारा पानी या तो सागरों में है, जो कि खारा होता है या फिर हिम के रूप में जम गया है।”

अंकित - “तो टीचर, हमारे उपयोग के लायक पानी कहाँ से मिलता है ?”

अध्यापिका - “बच्चो हम केवल नदी, तालाब, पोखर, कुँए से और ट्यूबवेल द्वारा अंतर्जल के पानी का उपयोग कर सकते हैं।”

शालिनी : “टीचर, हमारे घर के पास एक तालाब है और वह इतना गंदा है कि हम उसका उपयोग नहीं कर सकते। वह इतना बदबूदार है ! छी: !”

कमला : “टीचर, हमारी नानी के गाँव के तालाब में तो लोग अपने कपड़े, बरतन, जानवर, गाड़ियाँ सब कुछ धोते हैं और उसे गंदा करते हैं। वहाँ तो ट्यूबवेलों में भी पानी नहीं आता।”



अध्यापिका : “हाँ बच्चो, आज सारे जलस्रोत लगातार कलुषित किए जा रहे हैं और पानी का दुरुपयोग भी किया जा रहा है जिससे लोगों के रोज़ाना उपयोग के लिए, कारखानों की आवश्यकता के लिए और खेतीबाड़ी के लिए पानी की बढ़ती माँग को पूरा करना दूभर हो रहा है। कई जगहों में तो दो-तीन दिन में एक बार नलों में पानी आ रहा है।

निरंतर वनों की कटाई के कारण वर्षा में कमी आ गई है और अंतर्जल भी कम होता जा रहा है। इसीलिए बच्चो, हमें चाहिए कि हर बूँद पानी का हम सोच-समझकर उपयोग करें और पानी को गंदा होने से बचाएँ। वर्षा के पानी के संग्रह करने के बारे में लोगों को जागृत करना भी बहुत आवश्यक है। समझें ?

सब बच्चे : हम समझ गए टीचर, अब हम पानी व्यर्थ नहीं करेंगे और यह बात सबको बताएँगे।

जानो :

उदास - दुखी, अभिवादन - प्रणाम, नमस्कार; अपव्यय - व्यर्थ खर्च करना, खारा - नमकीन, अंतर्जल - भूमि के अंदर का जल, कलुषित - गंदा, स्रोत - मूल, आकर; रोज़ाना - प्रतिदिन, दूभर - कठिन, निरंतर - लगातार, वर्षा - बारिश, संग्रह - इकट्ठा।

अभ्यास

I. पाठ पढ़कर बताओ और लिखो :

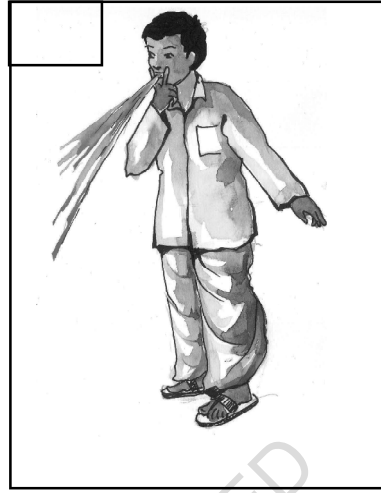
१. अंकित क्यों उदास था ?

२. उसे माँ ने क्यों डाँटा ?

३. धरती पर कितना प्रतिशत पानी है ?

४. लोग तालाब के पानी को किस प्रकार गंदा करते हैं ?

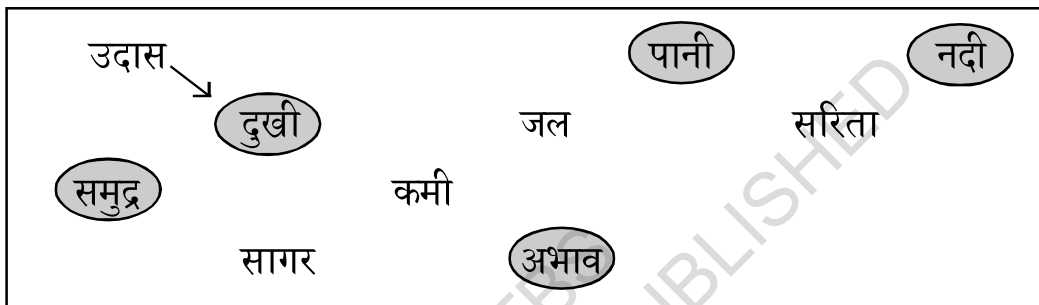
II. अंकित ने नल खोलकर पानी बहाया जिसके कारण उसे डाँट खानी पड़ी। ऐसे कई काम होते हैं जिनके लिए हमारी प्रशंसा होती है और कुछ कामों के लिए हमारी निंदा। नीचे दिए गए चित्रों के आगे प्रशंसनीय कामों के लिए 😊 का चिह्न और गलत कामों के लिए ☹ चिह्न का प्रयोग करो:



III. 'श' अथवा 'ष' को चुनकर शब्द पूरा करो :

दो _____ दोष _____
दे _____
प्रति ☐ त _____
कलु ☐ त _____

IV. एक-से अर्थ देनेवाले शब्दों को जोड़ो :



V. जलस्रोतों का मूल 'वर्षा' है। अब बताओ 'वर्षा' कैसे होती है?

1. सूर्य के _____ से समुद्र का पानी _____ बनकर ऊपर उठता है।
2. वही भाप _____ में बादल बन जाता है।
3. बादल एक दूसरे से टकराकर _____ होती है।
4. वर्षा का पानी _____ में _____ में मिल जाता है।
(नदी , वर्षा, भाप, ताप, आसमान, सागर)

VI. वाक्य में प्रयोग करो:

1. अभिवादन
2. अपव्यय
3. उपयोग
4. आवश्यकता

पाठ से आगे -

* जल की तरह और कौन-सी ऐसी चीजें हैं जिनके बिना हम जी नहीं सकते? उनकी एक सूची बनाओ।





डायरी का एक पन्ना



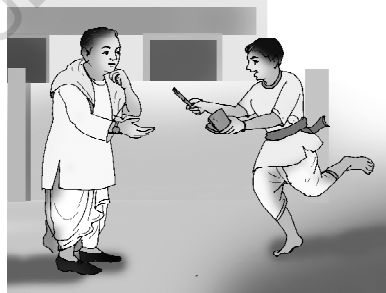
आशय : छात्र गरीबों के प्रति आदर भावना रखना सीखते हैं।

दि : ३१-१२-२०१७, सोमवार

आज मुझे एक अद्भुत अनुभव हुआ। मैं इसे कभी भूल नहीं सकता।

आज मैं अपने मित्र राजीव के यहाँ गया था। मित्र ने चाय पिलायी। हम लोग चाय पीकर बगीचे में टहलने गये। कुछ देर टहलने के बाद फिर घर के अंदर वापस आये। मुझे लगा कि मैं अपनी कलम को चाय की मेज़ पर रखकर गया था, लेकिन वहाँ वह नहीं मिली। कलम नयी थी और पचास रुपये की थी।

वहाँ एक नौकर था। मुझे संदेह हुआ कि उसने कलम ली होगी। पूछा तो उसने कह दिया कि उसने कोई कलम नहीं देखी, लेकिन मेरा संदेह दूर नहीं हुआ। क्या करूँ? मन ही मन नौकर को कोसता हुआ अपने घर के लिए निकल पड़ा।



थोड़ी ही दूर गया था कि वह नौकर भागता-भागता मेरे पीछे आया और कहने लगा कि “भैया जी! यह आपके कलम और बटुआ बगीचे में पड़े मिले। जब पौधों को पानी देने गया तब मिले। लीजिए!” मैंने बटुए में दो सौ रुपये रखे थे। मैंने बटुए को खोला तो दो सौ रुपये सुरक्षित थे। मैं शर्मिदा हो गया।

उसे धन्यवाद देते हुए मैंने दस रुपये का नोट उसकी ओर बढ़ाया। उसने कहा कि “नहीं भैया जी, मैं मेहनत का खाता हूँ। ईमानदारी के लिए पैसे कैसे?” मैं दुबारा शर्मिदा हो गया।

मुझे लगा कि गरीबों का आदर करना सीखना है। मैं अब कभी गरीबों का अनादर नहीं करूँगा।

अभ्यास

I. पाठ से ढूँढ़कर उत्तर लिखो:

१. लेखक किसके साथ कहाँ टहलने गये ?
२. लेखक को कलम के बारे में क्या लगा ?
३. नौकर ने लेखक से क्या कहा ?
४. लेखक अपने घर कैसे निकल पड़े ?
५. लेखक को शर्मिदा करनेवाली बातें कौन-कौन सी हैं ?
६. लेखक के कलम और बटुआ कहाँ गिर गये थे ?
७. इस पाठ से हमें क्या सीख मिलती है ?

II. नमूने के अनुसार विलोम शब्द लिखो:

घर के अंदर

घर के बाहर।

- | | | |
|------------------|---|-------|
| १. कुछ देर टहलना | → | _____ |
| २. एक नौकर | → | _____ |
| ३. पीछे आया | → | _____ |
| ४. कलम नयी | → | _____ |

III. नमूने के अनुसार शब्द बनाओ:

- | | | |
|---------|---|---------|
| १. नौकर | → | नौकरानी |
| २. देवर | → | _____ |
| ३. जेठ | → | _____ |
| ४. सेठ | → | _____ |

IV. नमूने के अनुसार क्रिया रूप बनाओ:

टहलना → टहलाना

१. लिखना → _____
२. मिलना → _____
३. बढ़ना → _____
४. करना → _____
५. पढ़ना → _____

V. नमूने के अनुसार शब्द बनाओ:

बटुआ → बटुए में

१. बगीचा → _____
२. टहलना → _____
३. भागना → _____
४. पौधा → _____
५. रुपया → _____

VI. नमूने के अनुसार शब्द रूप बनाओ:

मेज़ → मेज़ें

१. कलम → _____
२. आँख → _____
३. बहन → _____

पौधा → पौधे

१. बटुआ → _____

२. रुपया → _____

३. पैसा → _____

VII. सही शब्द से वाक्य पूरा करो:

(लेकिन, और, कि, तो)

1. मैंने बटुए को खोला _____ दो सौ रुपये सुरक्षित थे।
2. थोड़ी ही दूर गया था _____ वह नौकर भागता-भागता मेरे पीछे आया।
3. मैं अपनी कलम को चाय की मेज़ पर रखकर गया था _____ वहाँ वह नहीं मिली।
4. यह आपके कलम _____ बटुआ बगीचे में पड़े मिले।

VIII. नमूने के अनुसार शब्द बनाओ:

पौधा → पौधों को

१. मेज़ → _____

२. कलम → _____

३. नौकर → _____

४. मित्र → _____

IX. नमूने के अनुसार शब्द का अर्थ बताओ:

ईमानदार → जो प्रामाणिकता का जीवन
बिताता है वह ईमानदार है।

1. अनुभवी ' _____
2. शर्मिदा ' _____
3. मेहनती ' _____
4. गरीब ' _____

पाठ से आगे -

* अपने अनुभव की एक छोटी-सी घटना सुनाओ और उसे लिखो।

